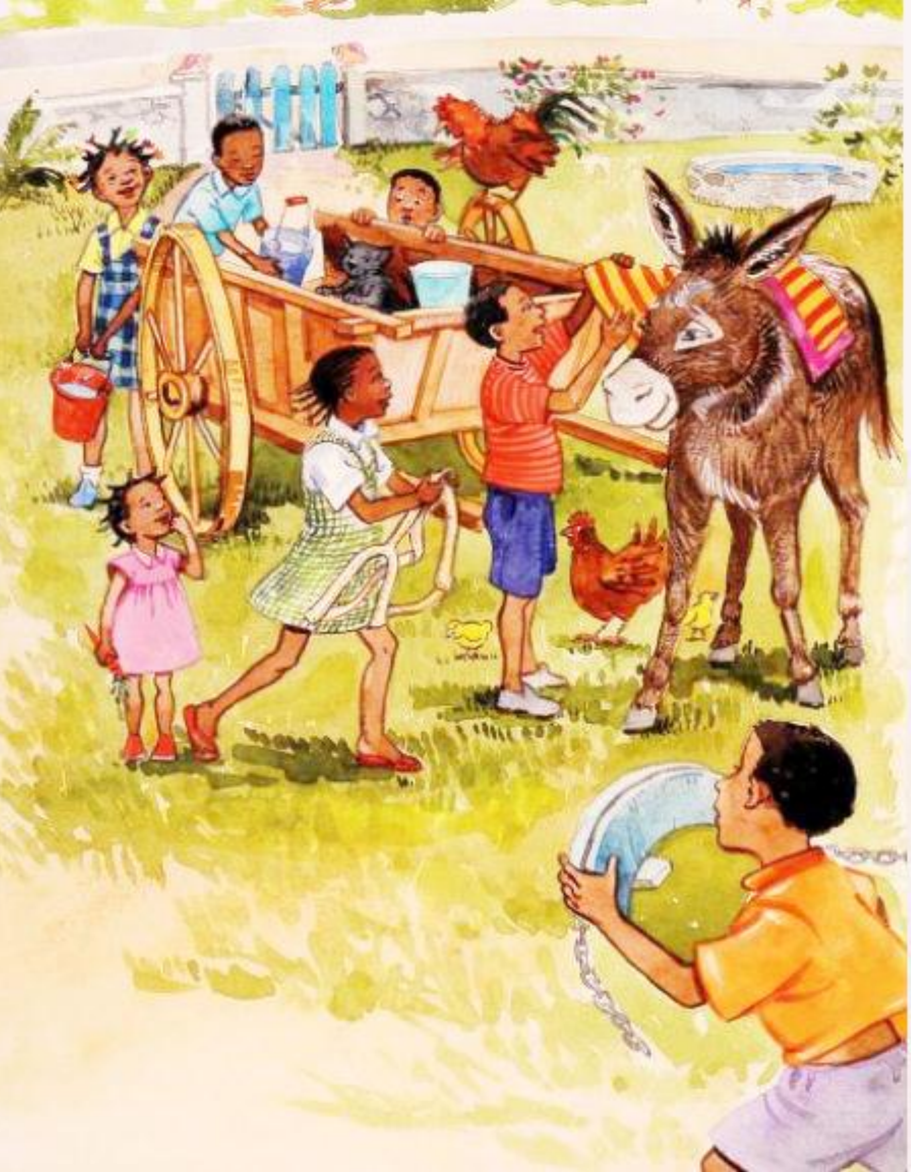
# छोटे गधे ने

# हार नहीं मानी

एक सच्ची कहानी





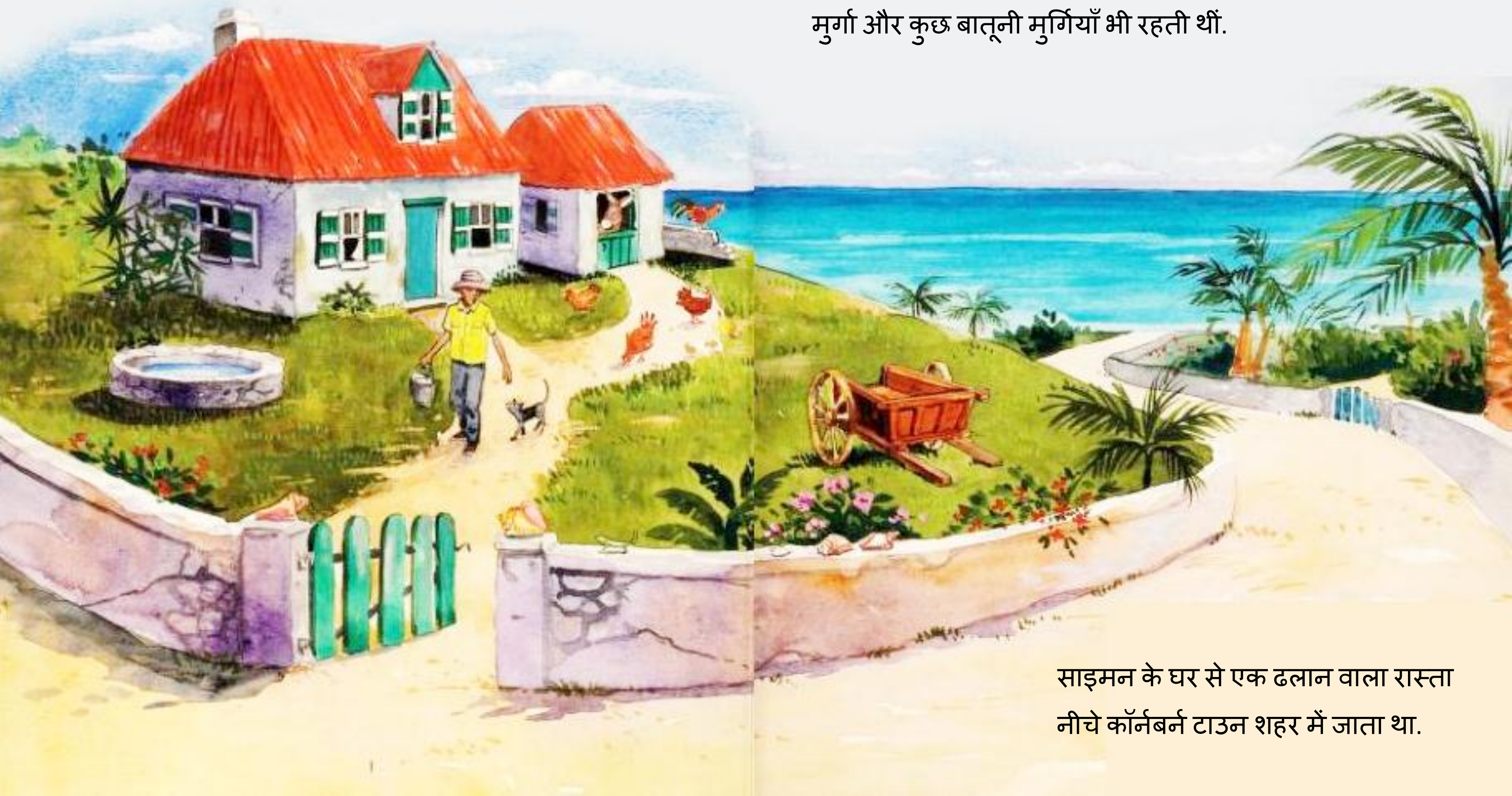
# छोटे गधे ने हार नहीं मानी

## एक सच्ची कहानी



ग्रैंड-तुर्क नाम का द्वीप, नीले समुद्र से घिरा था. वहां साइमन नामक एक बूढ़ा आदमी अपने छोटे गधे सैंडी के साथ रहता था.

साइमन लाल टिन की छत वाले एक छोटे पत्थर के घर में रहता था. सैंडी आरामदायक शेड में सोता था जिसे साइमन ने ख़ास तौर पर उसके लिए ही बनाया था. साइमन के घर में ब्लैकी बिल्ली, बुपर मुर्गा और कुछ बातूनी मुर्गियाँ भी रहती थीं.

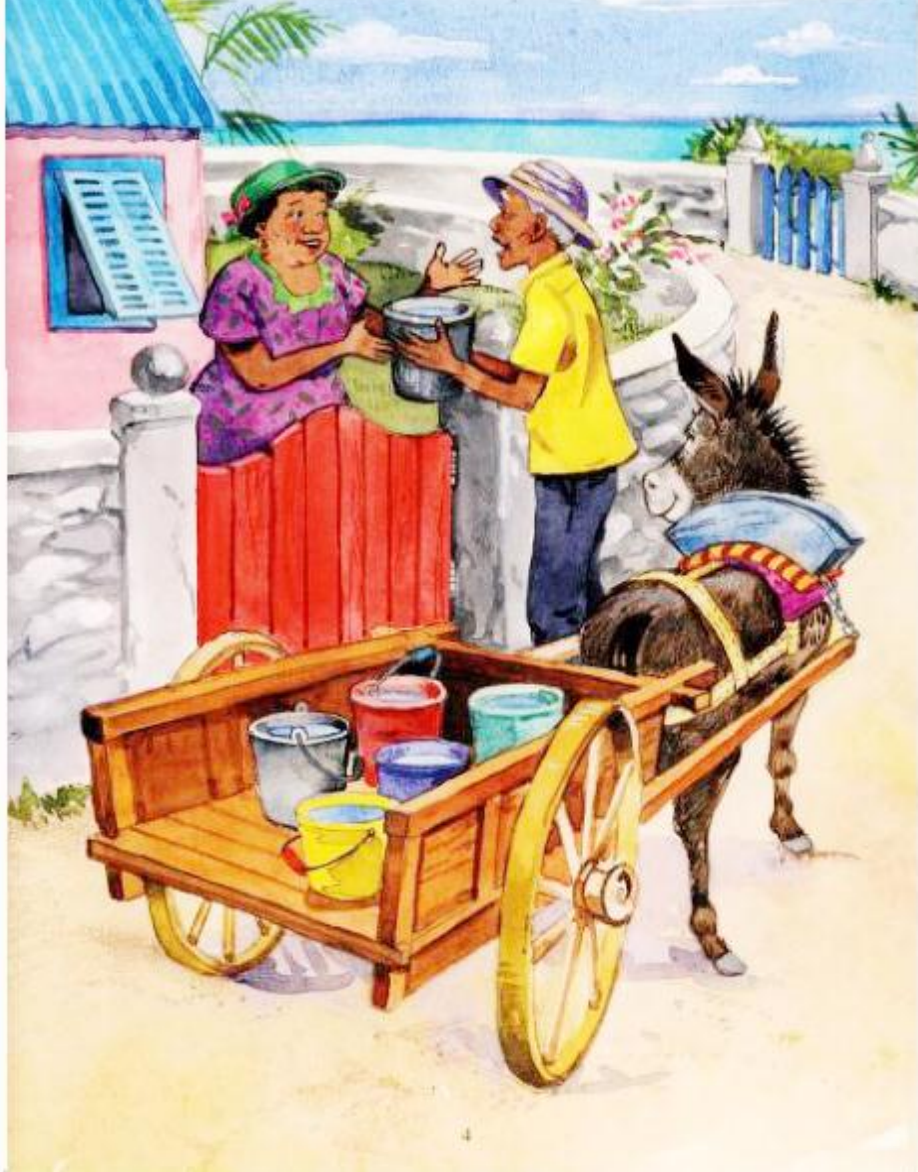


साइमन के घर से एक ढलान वाला रास्ता नीचे कॉर्नबर्न टाउन शहर में जाता था.

हर सुबह जब सूरज समुद्र के ऊपर निकलता था, तब साइमन सैंडी को खाली बाल्टियों से भरी गाड़ी के साथ कुएँ तक लाता था. साइमन हरेक बाल्टी को ताजे, ठंडे पानी से भरता था. जब तक सभी बाल्टियां भर नहीं जाती थीं तब तक सैंडी खड़ा इंतजार करता रहता था. बाल्टियों को भरने में साइमन को कितना समय लगेगा इसका सैंडी को अच्छा अंदाज़ था. फिर ठीक समय पर, सैंडी कॉर्नबर्न टाउन की घुमावदार सड़क पर गाड़ी को खींचने लगता था.



छोटे गधे को अपनी नौकरी से प्यार था. लाल फाटक पर जब साइमन पानी देता और खाली बाल्टी वापस लेता तब तक सैंडी उसका इंतजार करता था. साइमन को सैंडी को यह बताने की जरूरत नहीं पड़ती थी कि उसे नीले या पीले गेट पर कब रुकना है. सैंडी को पूरा रास्ता अच्छी तरह पता था.





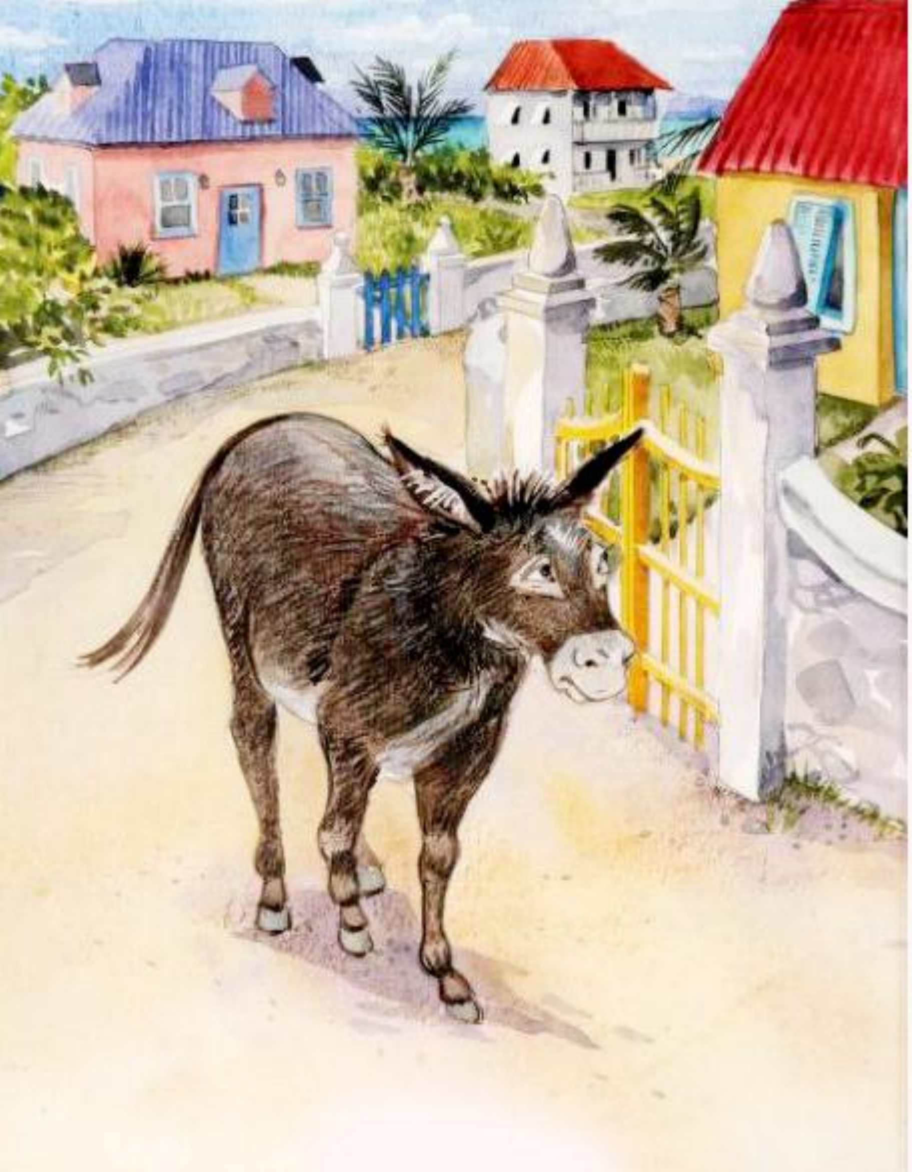
दिन के अंत में जब साइमन और सैंडी अपने घर लौटते थे, तो ब्लैकी बिल्ली आहें भरती थी, बुपर मुर्गा अपने पंख फड़फड़ाता था, और बातूनी मुर्गियाँ खूब शोर मचाती थीं. तब साइमन, सैंडी को बाल्टी में ताजा पानी, स्वादिष्ट घास, और कुछ गाजर खाने को देता था. सैंडी को गाजर बेहद पसंद थीं!



फिर एक सुबह को जब सूरज समुद्र के ऊपर आया, तब साइमन, सैंडी को गाड़ी से बाँधने के लिए अपने घर से बाहर नहीं निकला. तब सैंडी अपने शेड से बाहर निकला और साइमन के घर के सामने आगे-पीछे टहलकदमी करने लगा. वो साइमन को बाहर बुलाने के लिए रम्भाने लगा.



बुपर ने बांग दी, और मुर्गियाँ भी चिल्लाईं, लेकिन न साइमन और न ही ब्लैकी बिल्ली घर से बाहर आई.



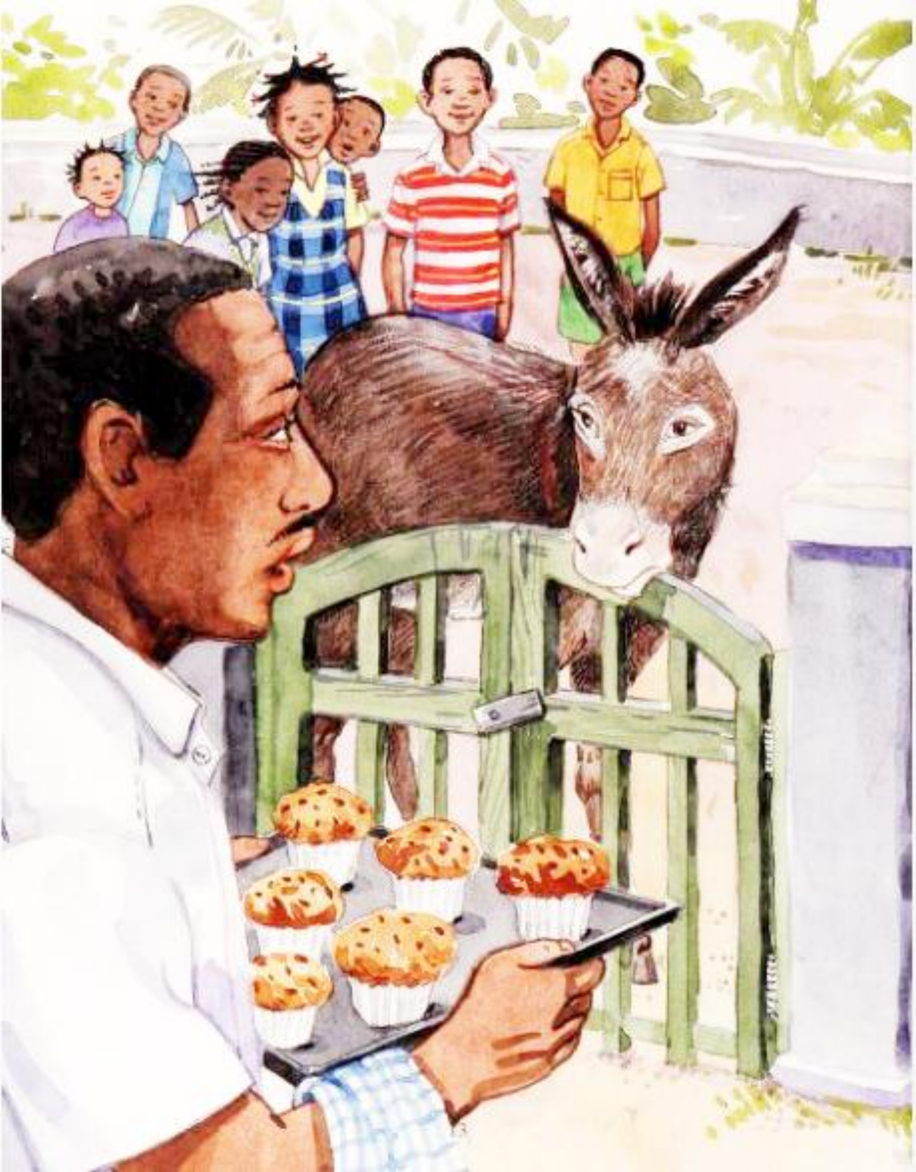
साइमन कहाँ था? काम पर जाने का समय हो गया था! सैंडी, साइमन और गाड़ी के बिना कुएं पर गया. उसने वहां उतने समय तक इंतजार किया, जितना समय साइमन पानी भरने के लिए लेता. फिर उसने गेट को खोला और घुमावदार रास्ते से शहर की ओर अकेला चला. सैंडी, लाल फाटक पर पहुंचा और वहां रुका. उसने वहां सिर्फ उतने समय ही इंतजार किया जितना समय साइमन को पानी देने और खाली बाल्टी लेने में लगता. फिर वो नीले गेट की ओर चला और उसने वहां भी इंतजार किया, और फिर वो पीले गेट पर गया.



बच्चे अपने-अपने घरों के सामने खेल रहे थे. जब उन्होंने देखा कि सैंडी पीले रंग के गेट के सामने अकेले खड़ा था तब उन्होंने पूछा, "सैंडी, साइमन कहाँ है?" सैंडी ने अपना सिर हिलाया और आगे चल पड़ा.

बच्चों ने सैंडी का पीछा किया. जहाँ-जहाँ सैंडी रुका उस हर गेट पर बच्चे भी रुके. उन्होंने अन्य बच्चों को बाहर बुलाया और उन्हें भी सैंडी के पीछे-पीछे चलने को कहा.





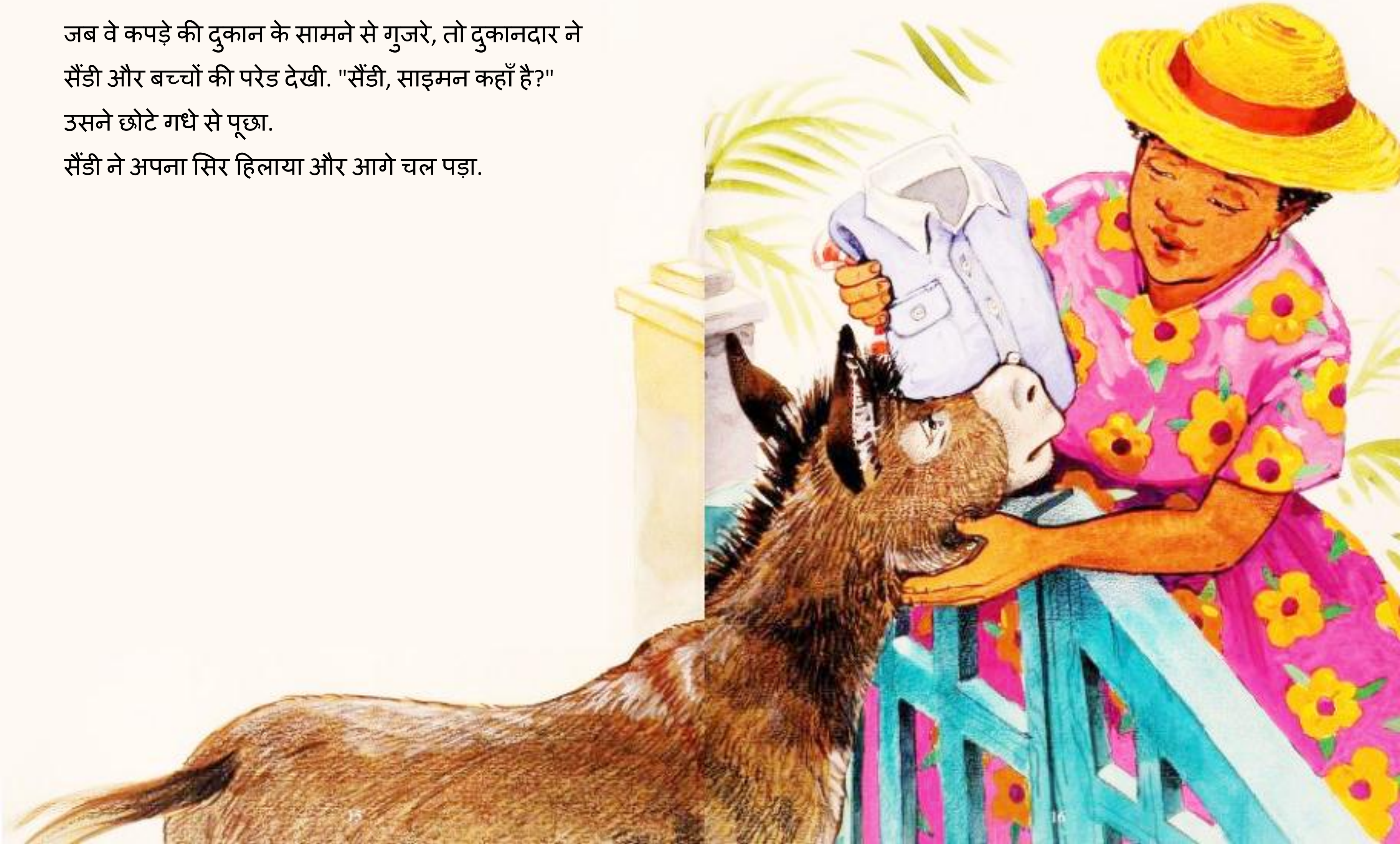
जब वे शहर के केंद्र में पहुँचे तो वहां पर बेकर ने सैंडी और बच्चों की परेड देखी. "सैंडी, साइमन कहाँ है?" बेकर ने छोटे गधे से पूछा.

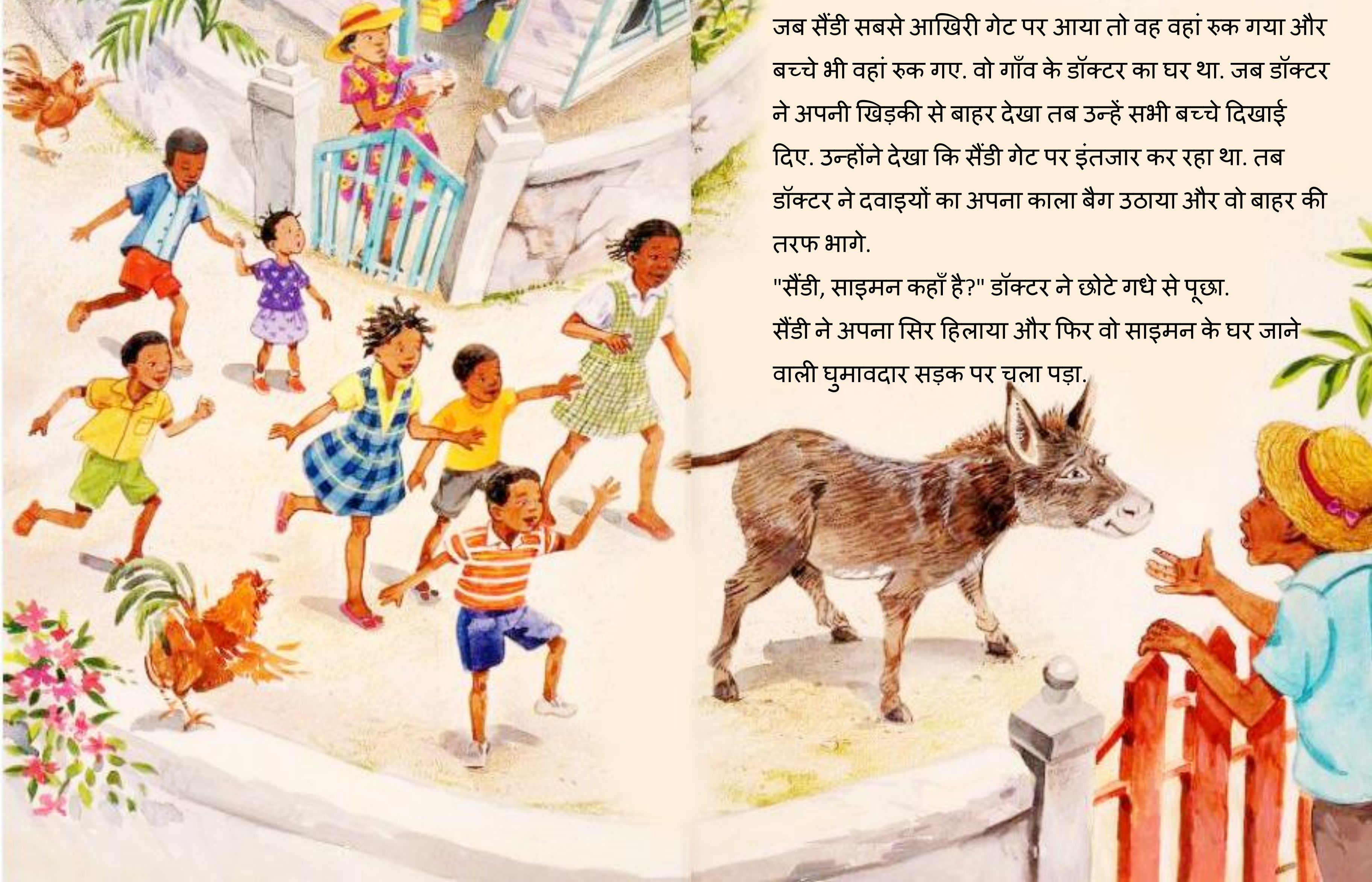
सैंडी ने सिर्फ अपना सिर हिलाया और वो आगे चल पड़ा.



जब वे कपड़े की दुकान के सामने से गुजरे, तो दुकानदार ने सैंडी और बच्चों की परेड देखी. "सैंडी, साइमन कहाँ है?" उसने छोटे गधे से पूछा.

सैंडी ने अपना सिर हिलाया और आगे चल पड़ा.





जब सैंडी सबसे आखिरी गेट पर आया तो वह वहां रुक गया और बच्चे भी वहां रुक गए. वो गाँव के डॉक्टर का घर था. जब डॉक्टर ने अपनी खिड़की से बाहर देखा तब उन्हें सभी बच्चे दिखाई दिए. उन्होंने देखा कि सैंडी गेट पर इंतजार कर रहा था. तब डॉक्टर ने दवाइयों का अपना काला बैग उठाया और वो बाहर की तरफ भागे.

"सैंडी, साइमन कहाँ है?" डॉक्टर ने छोटे गधे से पूछा.

सैंडी ने अपना सिर हिलाया और फिर वो साइमन के घर जाने वाली घुमावदार सड़क पर चला पड़ा.

डॉक्टर और बच्चों की परेड भी सैंडी के पीछे-पीछे चली.

साइमन को बाहर बुलाने के लिए सैंडी ज़ोर से रंभाया.

डॉक्टर ने दरवाजा खटखटाया.

अंदर से एक कमजोर आवाज ने कहा, "अंदर आओ."

जब डॉक्टर ने दरवाजा खोला तो उन्होंने देखा कि साइमन फर्श पर बैठा था और उसका एक पैर तकियों के ढेर पर टिका था.





"साइमन, क्या हुआ?" डॉक्टर ने पूछा

"मैं रात में एक गिलास पानी पाने के लिए उठा और फिर ब्लैकी बिल्ली के ऊपर फिसल गया. उससे मेरे पैर में चोट लग गई." साइमन ने कहा.

"ब्लैकी को भी चोट लगी है."

डॉक्टर ने अपना काला बैग खोला और उसमें से एक लंबी और एक छोटी पट्टी निकाली.

डॉक्टर ने लंबी पट्टी साइमन के पैर पर बाँधी.

उन्होंने छोटी पट्टी को ब्लैकी के पंजे के चारों ओर लपेटा.

"अब, पैर ठीक होने तक तुम्हें पानी डिलीवरी का काम बंद करना होगा!" डॉक्टर ने चेतावनी दी.

"लेकिन फिर कॉकबर्न टाउन में लोगों को पीने का पानी कौन पहुंचाएगा?" साइमन ने पूछा.





"सैंडी, कॉकबर्न टाउन में सभी लोगों को पीने का पानी पहुँचाएगा," सभी बच्चे, खिड़की में से एक-साथ चिल्लाये.

"लेकिन सैंडी को गाड़ी से कौन बांधेगा और कुएँ से कौन पानी निकालेगा?" साइमन ने पूछा.

"हम सैंडी को गाड़ी से बांधेंगे और हम कुएं में से बाल्टियों में पानी भरेंगे," बच्चों ने खिड़की में से कहा.

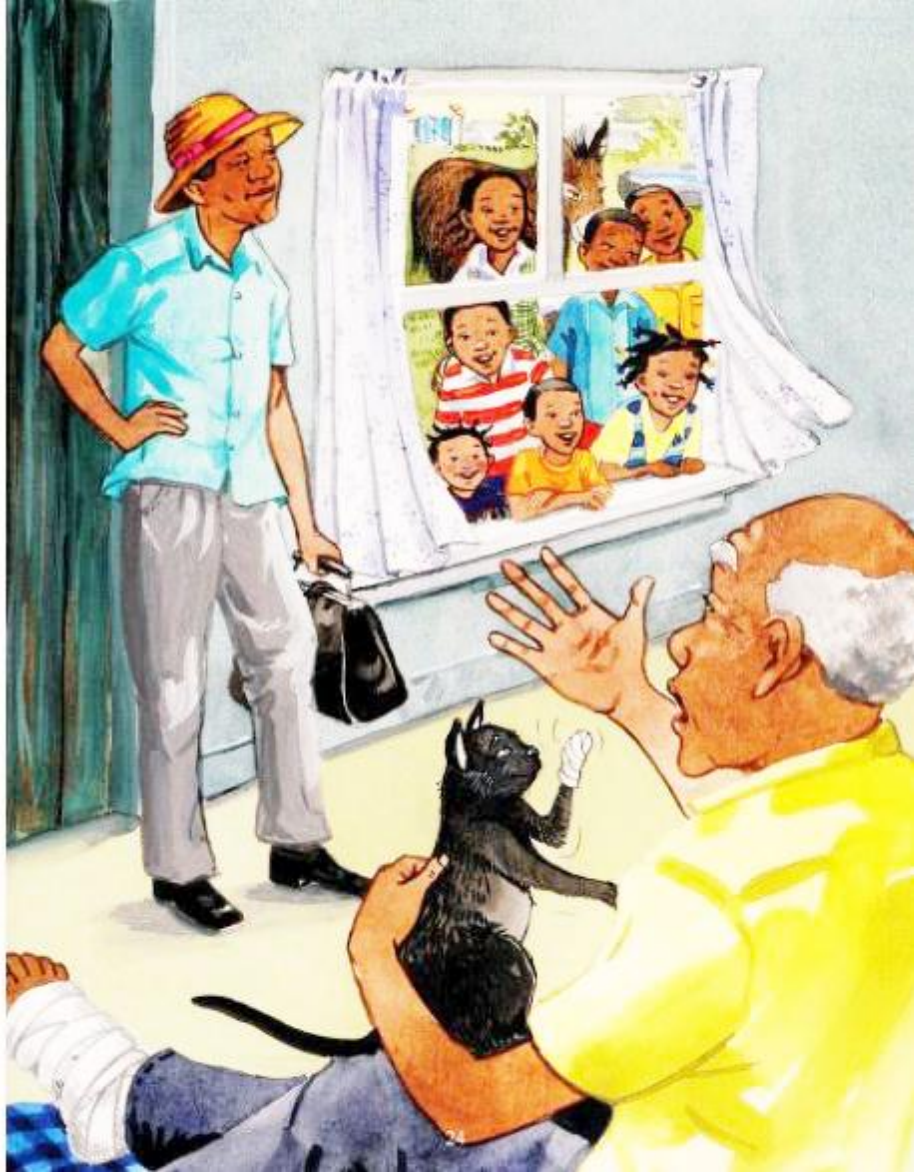
"लेकिन सैंडी को ताज़ा पानी, स्वादिष्ट घास और गाजर को कौन खिलाएगा?" साइमन ने पूछा.

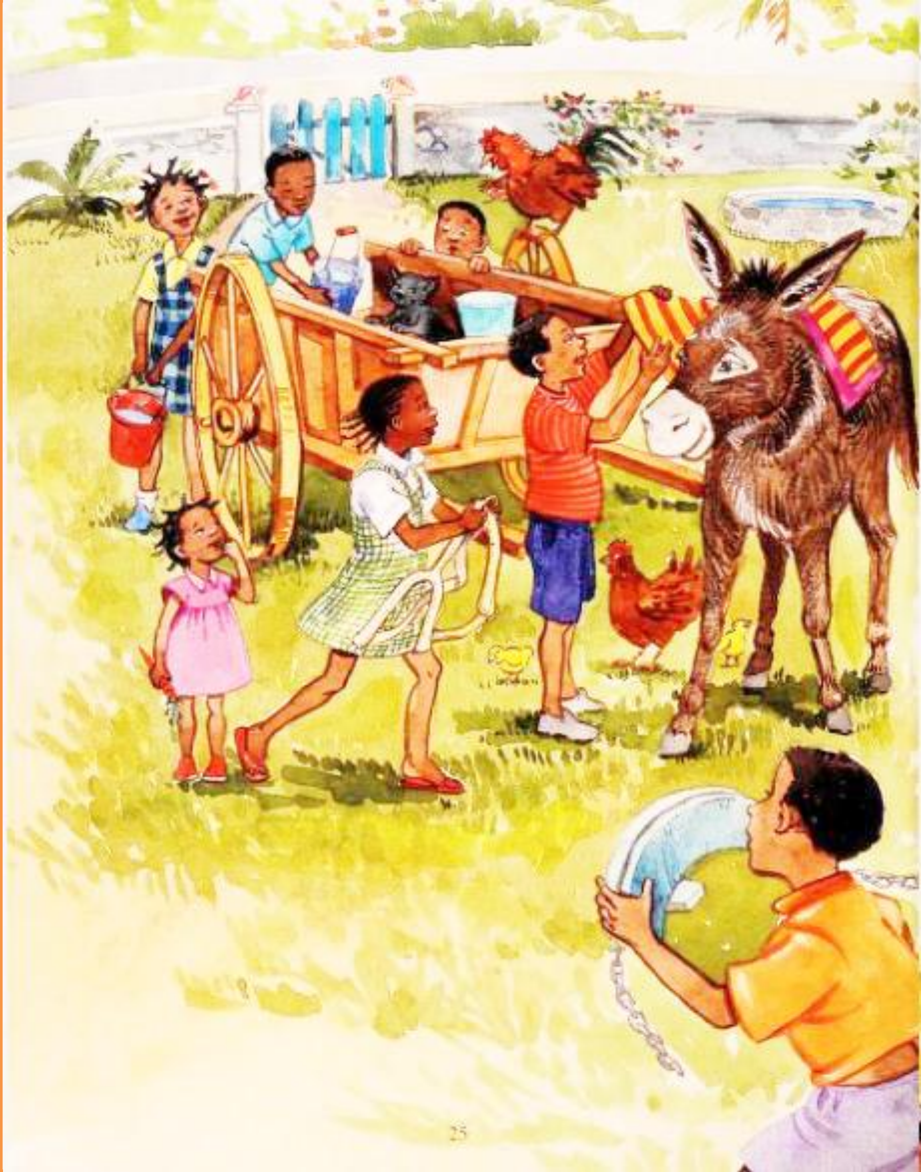
"हम सैंडी को ताज़ा पानी, स्वादिष्ट घास और गाजर खिलाएंगे," बच्चों ने खिड़की में से कहा.

"सैंडी, आसानी से हरेक घर में पानी पहुंचा सकता है," डॉक्टर ने कहा.

"सैंडी अच्छी तरह पूरा रास्ता जानता है!" बच्चों ने खिड़की में से ख़ुशी-ख़ुशी कहा.





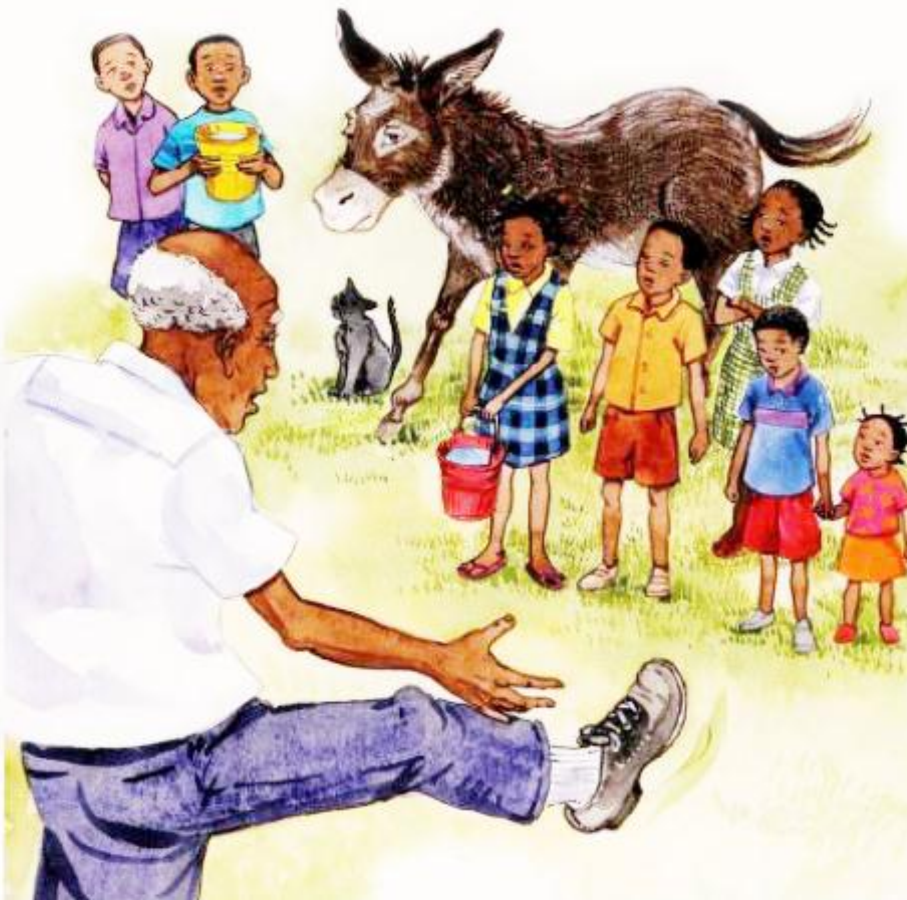




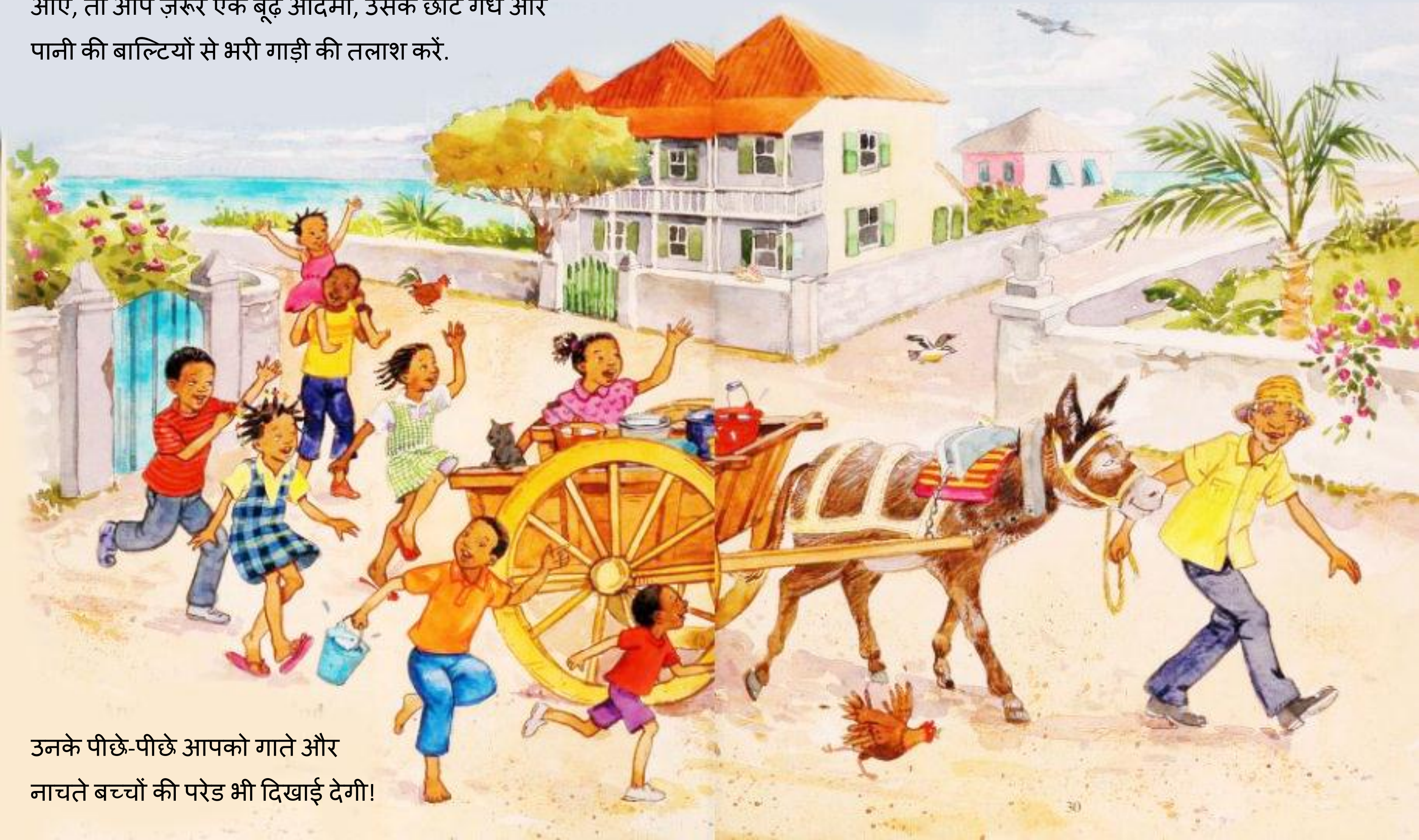
पूरे अगले हफ्ते जब सूरज समुद्र के ऊपर उठता तब बच्चे साइमन के घर पहुँच जाते. वे सैंडी को गाड़ी से बांधकर उसे कुएँ तक ले जाते. फिर वे सभी मिलकर  बाल्टियों में पानी भरते. उसके बाद सैंडी शहर में जाता और लाल गेट, नीले गेट और फिर पीले गेट पर रुकता. कॉकबर्न टाउन के लोग अपने दरवाज़ों पर सैंडी और बच्चों के आने का इंतजार करते. बच्चों ने प्रत्येक घर में पानी से भरी बाल्टियां दीं, और खाली बाल्टियों को सैंडी की गाड़ी में रखा. फिर शहर में हर कोई साइमन का पैर ठीक होने का इंतज़ार करने लगा.

फिर एक दिन साइमन ने बच्चों से कहा, "अब मेरा पैर बिल्कुल ठीक हो गया है." साइमन अपने काम पर वापस जाने के लिए उत्सुक था. अब उसे बच्चों की मदद की जरूरत नहीं थी. बच्चे खुश थे कि साइमन का पैर अब बेहतर था. लेकिन फिर भी उन सभी के चेहरे उदास थे. यहां तक कि सैंडी का सिर भी लटका हुआ था.
साइमन मुस्कुराया और उसने कहा, "ठीक है बच्चों, तुम आज मेरे और सैंडी के साथ आ सकते हो!"
बच्चे खुश हो गए, लेकिन अगले दिन, वे फिर उदास लग रहे थे. इसलिए साइमन ने बच्चों को दुबारा अपने साथ आने दिया. और फिर अगले दिन भी, और उसके अगले, और उसके बाद हर दिन!





इसलिए, यदि आप कभी कैरिबियन के इस विशेष द्वीप पर आएं, तो आप ज़रूर एक बूढ़े आदमी, उसके छोटे गधे और पानी की बाल्टियों से भरी गाड़ी की तलाश करें.



उनके पीछे-पीछे आपको गाते और नाचते बच्चों की परेड भी दिखाई देगी!

# लेखक का नोट

सैंडी, साइमन कहाँ है? छोटे से गधे के बारे में यह कहानी दरअसल एक सच्ची घटना पर आधारित है. गधा और उसका मालिक ग्रैंड-तुर्क टापू के कॉकबर्न टाउन के लोगों को हर दिन पीने का पानी देते थे. गधे को पूरा रास्ता अच्छी तरह याद था. एक दिन जब उसका मालिक चोट की वजह से चल नहीं पाता है, तो गधा अपनी गाड़ी के बिना, अकेले ही रास्ते पर चल देता है. वो एक-एक गेट पर जाता है और हर दरवाज़े पर कुछ देर इंतजार करता है. क्योंकि छोटे गधे ने अपने जीवन के हर दिन ऐसा ही किया था!

कहानी समझने के लिए यह जानना ज़रूरी है कि ग्रैंड-तुर्क द्वीप एक रेगिस्तान जैसा द्वीप है जहाँ बहुत कम वर्षा होती है. लोगों के पास आज भी घरों में पीने का पानी उपलब्ध नहीं है. इसलिए उन्हें बारिश के पानी को बड़े-बड़े बर्तनों और टबों में इकट्ठा करना पड़ता था नहीं तो वो उनकी छतों से निकलकर बह जाता. वहां पर पानी, सोने से भी ज्यादा कीमती था. ग्रैंड-तुर्क के लोग भाग्यशाली थे कि उनके पास दो प्राकृतिक ताजे पानी के कुएँ थे. लेकिन वे शहर से काफी दूरी पर स्थित थे. उस समय वहां कोई ट्रक या कार नहीं थी, इसलिए कुएं से पीठ पर पानी लाने में लोगों को बहुत मशक्कत करनी पड़ती थी. पानी से भरे घड़े बहुत भारी होते थे. क्या आपने कभी अपने सिर पर पानी के एक भरे घड़े को ले जाने की कोशिश की है? गधों द्वारा खींचने वाली गाड़ियाँ, कुएँ से पानी को शहर में लाने के लिए उपयुक्त थीं.

कैरिबियन के इस टापू में गधे कैसे आए? उन्हें वो मज़दूर नाव से लाए जो समुद्र से नमक निकालने के लिए ग्रैंड-तुर्क द्वीप में आए थे. असल में वे लोग बरमूडा द्वीप से आये थे. यह मज़दूर नहरों द्वारा समुद्र के पानी को टापू के मध्य में लाते थे. यहाँ पर वे समुद्र के पानी को धूप में सूखने देते थे. फिर नमक के सुंदर सफेद क्रिस्टल बन जाते थे. नमक के पूरी तरह सूख जाने के बाद उसे गधा-गाड़ियों पर लादकर बंदरगाह तक ले जाया जाता था. यहां नमक को स्टोर किया जाता था और अंत में उसे अमरीका और यूरोप भेजने के लिए बड़े जहाजों में लोड किया जाता था. 300 साल बाद इन द्वीपों पर नमक का कारोबार कम होने लगा. नमक के खनन की आधुनिक तकनीकों ने समुद्र से नमक निकालने के पुराने तरीके को ख़त्म कर दिया.

# ग्रैंड-तुर्क टापू कहाँ है?






# गधों के बारे में कुछ तथ्य



गधे सबसे पहले अफ्रीका में रहते थे.

वे बिना-धारियों वाले ज़ेबरा की तरह दिखते थे.

शायद आप आज भी, किसी गधे को सिर्फ एक पट्टी के साथ देख पाएं.

गधों के कान लंबे होते हैं ताकि वे दूर की आवाज़ें सुन सकें.

उनके छोटे खुरों वाले मजबूत पैर होते हैं जो चढ़ाई के लिए बहुत अच्छे होते हैं.

गधा-गाड़ी चीजों और लोगों को लाने, ले-जाने के पुराने तरीकों में से एक थी.

गधे लोगों को पसंद आते हैं.

वे बहुत अच्छे पालतू जानवर होते हैं और अपने मालिक के प्रति वफादार और सच्चे होंते हैं.

गधे बहुत होशियार होते हैं.

यदि आप धीरज रखें और उनके प्रति दयालु हों तो उन्हें प्रशिक्षित करना आसान होता है.

गधे हमेशा जिद्दी नहीं होते हैं!

लेकिन वे बार-बार एक ही काम करना पसंद करते हैं.

गधे घास और पत्ते वाले हरे पौधे खाते हैं.

उन्हें फूल खाना भी बहुत पसंद है इसलिए अपना गेट बंद रखें!

गधे की माँ अपने बच्चों को दिखाती है कि उनके लिए क्या खाना अच्छा है.

गधे के बच्चे को "फ़ोल" कहा जाता है.

लड़का गधे को "जैक" कहा जाता है और लड़की गधे को "जेनी" या घोड़ी कहा जाता है.

गधों की बहुत तेज आवाज होती है, उनकी ढेंचू-ढेंचू की आवाज़ को दूर से सुना जा सकता है.

**समाप्त**